

हमि तेंदुए की दूसरी सबसे बड़ी आबादी उत्तराखण्ड में चर्चा में क्यों?

भारत में हमि तेंदुए की आबादी का आकलन (SPA) के अनुसार उत्तराखण्ड में 124 हमि तेंदुओं की उल्लेखनीय आबादी दरज की गई है, जो कलिदाख (संख्या 477) के बाद दूसरे स्थान पर है।

मुख्य बादु:

- हाल ही में जारी रपोर्ट, जिसका शीर्षक **भारत में हमि तेंदुए की स्थिति** है, भारतीय हमिलयी क्षेत्रों में 718 हमि तेंदुओं की उपस्थिति का अनुमान लगाने वाला पहला वैज्ञानिक प्रयास है।
- **भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII)** की एक टीम ने एक व्यापक वैज्ञानिक मूल्यांकन किया, जिसमें **गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान** को संरक्षण प्रदान करने हेतु महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में चहिनति किया गया।
- अधिकारियों के अनुसार, नंदा देवी बायोस्फीयर रजिस्ट्रेशन भी हमि तेंदुओं के लिये एक आशाजनक आवास के रूप में उभरा है।
- डेटा विश्लेषण के आधार पर, ये तेंदुए अलग-अलग राज्यों में ये पाए जाते हैं, जिनमें लद्दाख में 477, उत्तराखण्ड में 124, हमिचल प्रदेश में 51, अरुणाचल प्रदेश में 36, सक्रिमि में 21 और जम्मू-कश्मीर में इनकी संख्या 9 है। जिसके परणामस्वरूप भारत में हमि तेंदुए की संख्या 718 है।

Snow Leopard

Panthera uncia

Often referred to as the "ghost of the mountains"

HABITAT

- Mountainous regions of **Central and Southern Asia**
- **12 Range Countries**
- In India:
 - **Western Himalayas:** Jammu and Kashmir, Ladakh, Himachal Pradesh
 - **Eastern Himalayas:** Uttarakhand and Sikkim and Arunachal Pradesh



MAJOR SITES

- Hemis National Park, Ladakh
 - **Snow leopard capital of the world**
- Great Himalayan National Park, Himachal Pradesh
- Gangotri National Park, Uttarakhand
- Khangchendzonga National Park, Sikkim

PROTECTION STATUS

- **Vulnerable:** IUCN Red List
- **Appendix I:** CITES
- **Schedule I:** Indian Wildlife (Protection) Act 1972

THREATS

- Human-Snow Leopard Conflict
- Climate Change
- Loss of Prey and Habitat
- Poaching

CONSERVATION EFFORTS

- Global Snow Leopard and Ecosystem Protection (GSLEP) Programme
- Himal Sanrakshak- Community Volunteer Programme
- Project Snow Leopard
- Snow Leopard Conservation Breeding Programme- Padmaja Naidu Himalayan Zoological Park, West Bengal



गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान

- इसे वर्ष 1989 में स्थापित किया गया था और यह उत्तराखण्ड के उत्तरकाशी ज़िले में भागीरथी नदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र स्थिति है।
- गंगोत्री ग्लेशियर पर गंगा नदी का उद्गम स्थल गौ-मुख इस पारक के अंदर स्थिति है।
- इस उद्यान के तहत आने वाला क्षेत्र गोविंद राष्ट्रीय उद्यान और केदारनाथ वन्यजीव अभयारण्य के बीच एक जीवंत नरितरता बनाता है।
- **वनस्पति:** यह उद्यान धने शंकुधारी वनों से घरी हुआ है जिनमें ज्यादातर समशीतोष्ण वन हैं। इस पारक की सामान्य वनस्पतियों में चरिपाइन, देवदार, फर, स्पूरस, ओक एवं रोडोडेंड्रॉन शामिल हैं।

- **जीव-जंतु:** इस उद्यान में वर्भिन्न दुर्लभ एवं लुप्तप्राय प्रजातियाँ, जैसे-नीली भेड़, काले भालू, भूरे भालू, हमिलयन मोनल, हमिलयन स्नोकॉक, हमिलयन तहर, कस्तूरी मृग और हमि तेंदुए पाई जाती हैं।

नंदा देवी बायोस्फीयर रजिस्ट्रेशन

- इसकी स्थापना वर्ष 1988 में की गई थी और इसे वर्ष 1988 में [UNESCO द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था।](#) यह रजिस्ट्रेशन विधि प्रकार की वनस्पतियों और जीवों का नवास स्थान है, जिनमें कई लुप्तप्राय प्रजातियाँ, जैसे-हमि तेंदुआ, एशियाई काला भालू, हमिलयी कस्तूरी हरिण और नीली भेड़ शामिल हैं।
- यह रजिस्ट्रेशन अपनी समृद्ध सांस्कृतिक वरिसत के लिये भी जाना जाता है तथा भोटिया और जौहरी जैसे कई स्वदेशी समुदायों का नवास स्थान है। ये समुदाय सदियों से इस क्षेत्र में रहे हैं और उन्होंने जीवन का एक अनोखा तरीका विकसित किया है जो प्राकृतिक प्रयावरण से निपटता से जुड़ा हुआ है।

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttarakhand-home-to-2nd-largest-snow-leopard-population>

